



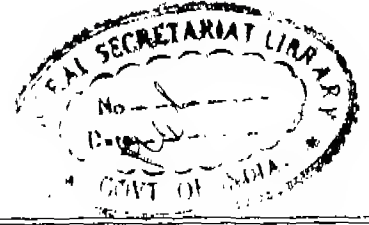
भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 217]
No. 217]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 29, 1996/चैत्र 9, 1918
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 29, 1996/ CHAITRA 9, 1918

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
आदेश
नई दिल्ली, 29 मार्च, 1996

का. आ. 258(अ).—18कक/आई.डी.आर.ए./96—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश संख्या-320(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./79, तारीख 26 मई, 1979 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स अपोलो जिप्पर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के अधीन 25 मई, 1982 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन वर्ष की अवधि के लिये ग्रहण किया गया था और सचिव, बन्द और रुग्ण उद्योग विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार को, जिसे अब सचिव, औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार कहा जाता है, उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिये प्राधिकृत किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार ने अपनी यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश तीन वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी बना रहे, 31 मार्च, 1996 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये इसे जारी रखने के लिये समय-समय पर निर्देश जारी किये थे। (देखिये भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग के आदेश) :

- सं. का. आ. 246(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 25 मई, 1982.
- सं. का. आ. 832(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 24 नवम्बर, 1982.
- सं. का. आ. 385(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 31 मार्च, 1983.
- सं. का. आ. 872(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 30 नवम्बर, 1983.
- सं. का. आ. 472(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 28 जून, 1984.
- सं. का. आ. 975(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 29 दिसम्बर, 1984.
- सं. का. आ. 275(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./85, तारीख 29 मार्च, 1985.
- सं. का. आ. 146(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./86, तारीख 31 मार्च, 1986.

- सं. का. आ. 266(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./87, तारीख 30 मार्च, 1987.
 सं. का. आ. 326(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./88, तारीख 30 मार्च, 1988.
 सं. का. आ. 247(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./89, तारीख 31 मार्च, 1989.
 सं. का. आ. 277(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./90, तारीख 30 मार्च, 1990.
 सं. का. आ. 214(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./91, तारीख 26 मार्च, 1991.
 सं. का. आ. 250(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./92, तारीख 30 मार्च, 1992.
 सं. का. आ. 219(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./93, तारीख 31 मार्च, 1993.
 सं. का. आ. 278(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./94, तारीख 31 मार्च, 1994.
 सं. का. आ. 281(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./95, तारीख 31 मार्च, 1995.

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 25 मई, 1996 तक की, जिसमें यह तारीख भी शामिल है और अवधि के लिये प्रभावी बना रहे ।

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उप-धारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 25 मई, 1996 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये प्रभावी बना रहेगा ।

[फा. सं. 2/23/80-सी.यू.एस./आई.आर.एस.]

रवीन्द्र कुमार सिन्हा, सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 29th March, 1996

S.O. 258(E)/18AA/IDRA/96.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 320(E)/18AA/IDRA/79, dated the 26th May, 1979 (hereinafter referred to as the said order) the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs. Apollo Zipper Company Private Limited, Calcutta was taken over under clause (a) of Sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of three years upto and inclusive of the 25th May, 1982 and the Secretary, Closed Sick Industries Department, Government of West Bengal, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, was authorised to take over the management of the said Industrial Undertaking.

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that the said order should continue to have effect after the expiry of the period of three years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1996 (Vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development) :

- Nos. S.O. 246(E)/18AA/IDRA/82, dated the 25th May, 1982,
 S.O. 832(E)/18AA/IDRA/82, dated the 24th November, 1982,
 S.O. 385(E)/18AA/IDRA/83, dated the 31st March, 1983,
 S.O. 872(E)/18AA/IDRA/83, dated the 30th November, 1983,
 S.O. 472(E)/18AA/IDRA/84, dated the 28th June, 1984,
 S.O. 975(E)/18AA/IDRA/84, dated the 29th December, 1984,
 S.O. 275(E)/18AA/IDRA/85, dated the 29th March, 1985,
 S.O. 146(E)/18AA/IDRA/86, dated the 31st March, 1986,
 S.O. 266(E)/18AA/IDRA/87, dated the 30th March, 1987,
 S.O. 326(E)/18AA/IDRA/88, dated the 30th March, 1988,
 S.O. 247(E)/18AA/IDRA/89, dated the 31st March, 1989,
 S.O. 277(E)/18AA/IDRA/90, dated the 30th March, 1990.

S.O. 214(E)/18AA/IDRA/91, dated the 26th March, 1991,
S.O. 250(E)/18AA/IDRA/92, dated the 30th March, 1992,
S.O. 219(E)/18AA/IDRA/93, dated the 31st March, 1993,
S.O. 278(E)/18AA/IDRA/94, dated the 31st March, 1994, and
S.O. 281(E)/18AA/IDRA/95, dated the 31st March, 1995.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said order should continue to have effect for a period upto and inclusive of 25th May, 1996.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 18AA read with the proviso to Sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 25th May, 1996.

[F. No. 2(23)/80-CUS/IRS]
R. K. SINHA, Secy.

